(ख) क्या यह भी सच है कि कुल प्राथमिक विद्यालयों में से 35 प्रतिशत प्राथमिक विद्यालयों से सिर्फ एक ही अध्यापक कार्य कर रहा है;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार ने प्रत्येक विद्यालय में एक श्यामपट्ट उपलब्ध कराने और प्रत्येक विद्यालय में प्रति 45 विद्यार्थियों पर एक अध्यापक की नियुक्ति करने के लिए कोई समयबद्ध योजना तैयार की है और क्या सरकार ने राज्य सरकारों से इस योजना को क्रियान्वित करने के लिए कहा है; और

(घ) यदि हां, तो उसका पूर्ण ब्यौरा क्या है?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा और संस्कृति विभागों में राज्य मंत्री (श्री एल०पी० साही): (क) और (ख) राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद द्वारा 30 सितम्बर, 1986 की संदर्भ तारीख के रूप में आयोजित पांचवें अखिल भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण के अनुसार प्राथमिक स्कूलों की 33.75% कक्षाओं में ब्लैक बोर्ड नहीं थे तथा 27.96% प्राथमिक स्कूल एकल अध्यापक वाले स्कूल थे।

(ग) और (घ) आपरेशन ब्लैक बोर्ड की योजना को 1987-88 में शुरू किया गया था, इसका उद्देश्य एक चरणबद्ध तरीके से प्राथमिक स्कूलों में भौतिक सुविधाएं प्रदान करने में महत्वपूर्ण सुधार लाना है। इस योजना के दो महत्वपूर्ण घटक हैं: (क) सभी एकल शिक्षक वाले स्कूलों में दूसरे शिक्षक का प्रावधान (ख) ब्लैकबोर्डों सहित अनिवार्य अध्ययन-अध्यापन उपस्करों का प्रावधान करना। वर्ष 1987-88 के दौरान, 24 राज्यों तथा 3 संघ शासित प्रदेशों के 20% खण्डों/नगरपालिका खण्ड क्षेत्रों में 113417 प्राथमिक स्कूलों को इस योजना में शामिल किया गया। 110.61 करोड़ रुपए मुक्त किए गए जिनमें से एकल शिक्षक वाले स्कूलों में 36891 शिक्षकों की नियुक्ति के लिए 29.छठ करोड़ रुपये तथा ब्लैक बोर्डों सहित उपस्करों के लिए 81.13 करोड़ रुपये दिए गए। चालू वर्ष में 30% खण्डों/नगरपालिका क्षेत्रों में सभी प्राथमिक स्कूलों को शामिल किए जाने का लक्ष्य है।

प्राथमिक शिक्षा के लिए धनराशि का आवंटन

114. **श्री राम जेठमलानी:**
श्री राम नरेश यादव:

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि चालू पंचवर्षीय योजना में प्राथमिक शिक्षा के लिए धनराशि आवंटित की गयी थी, और यदि हां, तो इस प्रयोजनार्थ कुल कितनी धनराशि आवंटित की गयी थी;

(ख) क्या यह भी सच है कि इस धनराशि में से अभी तक बहुत कम धनराशि ही दी गयी है;

(ग) यदि हां, तो अब तक कितनी धनराशि दी गयी है; और

(घ) सरकार द्वारा शेष राशि कब तक दे दिये जाने की संभावना है?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा और संस्कृति विभागों में राज्य मंत्री (श्री एल० पी० शाही): (क) से (घ) प्रारंभिक शिक्षा के लिए सातवीं पंचवर्षीय योजना में 1963 70 करोड़ रु० (वर्ष 1985-90 के लिए केन्द्रीय क्षेत्र के अंतर्गत 233.25 करोड़ रु० तथा राज्य क्षेत्र के अंतर्गत 1730.45 करोड़ रु०) की राशि आवंटित की गई। प्राईमरी शिक्षा के लिए अलग से कोई आवंटन नहीं किया गया था। योजना आयोग के अनुसार इसने योजना के प्रथम चार वर्षों के दौरान राज्यों तथा संघ शासित प्रशासनों के लिए निम्न प्रकार से 1471 करोड़ रु० की राशि अनुमोदित की है:—

(करोड़ रु० में)

1985-86	237.00
1986-87	329.00
1987-88	406.00
1988-89	499.00
कुल	1471.00

वर्ष 1989-90 के लिए परिव्यय को अभी अन्तिम रूप नहीं दिया गया है। केन्द्रीय क्षेत्र के

अंतर्गत किए गए वार्षिक आवंटनो तथा 1985-86 से किए गए व्यय के ब्यौरे निम्नलिखित हैं:—

(लाख रु० में)

वर्ष	अनुमोदित परिव्यय	वास्तविक व्यय
1985-86	5049.00	2750
1986-87	5015.00	3246.15
1987-88	22000.00	21492.00
1988-89	25440.00	11738.90

(17.2.1989 तक की यथास्थिति के अनुसार)

दिल्ली में यमुना के ऊपर पुल का निर्माण

115. **श्री राम जेठमलानी:**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा:

क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली में अन्तर्राज्यीय बस अड्डे के निकट यमुना पर बन रहे पुल को जनवरी, 1989 तक पूरा नहीं किया जा सका है;

(ख) क्या यह भी सच है कि इसके निर्माण कार्य को पूरा किये जाने की लक्ष्य तारीख को अनेक बार निर्धारित कर उसकी घोषणा की गई थी;

(ग) यदि हां, तो निर्धारित की गयी लक्ष्य तारीखें क्या-क्या थी; और

(घ) इस पुल के निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए अब कौन सी लक्ष्य तारीख निर्धारित की गयी है?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट): (क) जी, हां।

(ख) और (ग) समापन की मूल तिथि दिसम्बर, 1987 के मुकाबले संशोधित लक्ष्य तिथि सिर्फ एक बार दिसम्बर, 1988 घोषित की गई थी।

(घ) जून, 1991।

सवाई माधोपुर और जयपुर के बीच तीव्रगामी रेलगाड़ी

116. **डा० अबरार अहमद खान:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या राजस्थान में व सवाई माधोपुर और जयपुर के बीच अत्यधिक यातायात को देखते हुए इन स्थानों पर जल्दी ही कोई तीव्रगामी रेलगाड़ी आरम्भ की जा रही है, यदि हां, तो कब तक, और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है;

(ख) क्या सवाई माधोपुर और जयपुर के बीच छोटी लाइनों तथा राजस्थान में जयपुर से आगे अन्य स्थानों पर भी बम्बई और उससे आगे से फ्रंटियर मेल, डीलक्स, देहरादून एक्सप्रेस रेल गाड़ियों से, जो बड़ी लाइन पर चलती हैं, वातानुकूलित डिब्बों में यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इन स्थानों के बीच चलने वाली रेल गाड़ियों में वातानुकूलित डिब्बे जोड़ने का प्रस्ताव है, यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) सवाई माधोपुर से चलने वाली छोटी लाइन की गाड़ियों में प्रथम श्रेणी के डिब्बों के रूप में अत्यधिक घटिया किस्म के डिब्बे जोड़े जाने के क्या कारण हैं, और इन डिब्बों में कंडक्टर भी नहीं होते हैं, क्या सरकार इस सम्बन्ध में कोई सुधार करने का विचार रखती है?

रेल मंत्रालय में उप मंत्री (श्री महाबीर प्रसाद): (क) जी नहीं। मीटर आमान की इस शाखा लाइन पर हैं।

(ख) जी नहीं। वातानुकूल सवारी डिब्बों की सीमित उपलब्धता तथा उन्हें धीमी गति की गाड़ियों के साथ चलने में अनुभव की जाने वाली तकनीकी कठिनाइयों के कारण उन्हें नहीं चलाया जा सकता।